मैथिली चित्रकथा

NNu egjkt

ekrhnkb

vej ckck

ehjk lkgc

jktk lygl

egvk ?kVokfju

uhr dekjh



मैथिली चित्रकथा

uhr dekjh



Jfr idk'ku

क्रम

1st Edition 2009 of Maithili Chitrakatha (Maithili Language)
by Neetu Kumari, narrated by Gajendra Thakur
and Published by Shruti Publication,
8/21, Ground Floor, New Rajendra Nagar, New Delhi-110008
Tel.: 011-25889656, 25889658 | Fax: 011-25889657

ISBN: 978-93-80538-14-3

Price: Rs. 200/- (INR)-for individual buyers
US $ 80 for libraries/institutions (India & abroad)

Jfr idk'ku
jftLVM vkfQl% 8@21 Hkry] U; jktUn uxj] ub fnYyh&110008
njHkk"k% 011&25889656&58 iQDl% 011&25889657
website://www.shruti-publication.com
email: shruti.publication@shruti-publication.com

Printed by Ajay Arts, Delhi-110002

Sole Distributor:
M/s Ajay Arts, 4393/4A, 1st Floor, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi 110 002 (INDIA) Tel. : 011-23288341, 43628341

छेछन महराज

डोम जातिक लोकदेवता छेछन महराज बड्ड बलगर छलाह ।



मुदा हुनकर संगी साथी सभ कहलकन्हि.....





रस्तामे एकटा बूढ़ी भेटलन्हि। ओकरासँ आगि माँगलन्हि छेछन। आगि आ मेदनीफूल चिलममे भरि सभटा पीबि गेलाह छेछन। बूढ़ी कहलकन्हि......



मानिक चन्द अखराहा बनेने छथि। ओतहि एकटा डंका राखल अछि । जे ओहि डंकापर चोट करैए ओकरा मानिकचन्दक पोसुआ सुग्गर चटियासँ लड़ए पड़ैत छै। जे चटियासँ जीति जाएत ओ मानिकचन्दसँ लड़त आ जे मानिकचन्दसँ जीतत ओ मानिकचन्दक बहीन पनमासँ बियाह करत।

मानिकचन्द सहिदापुर अखराहा लग राखल डंकापर चोट केलन्हि।



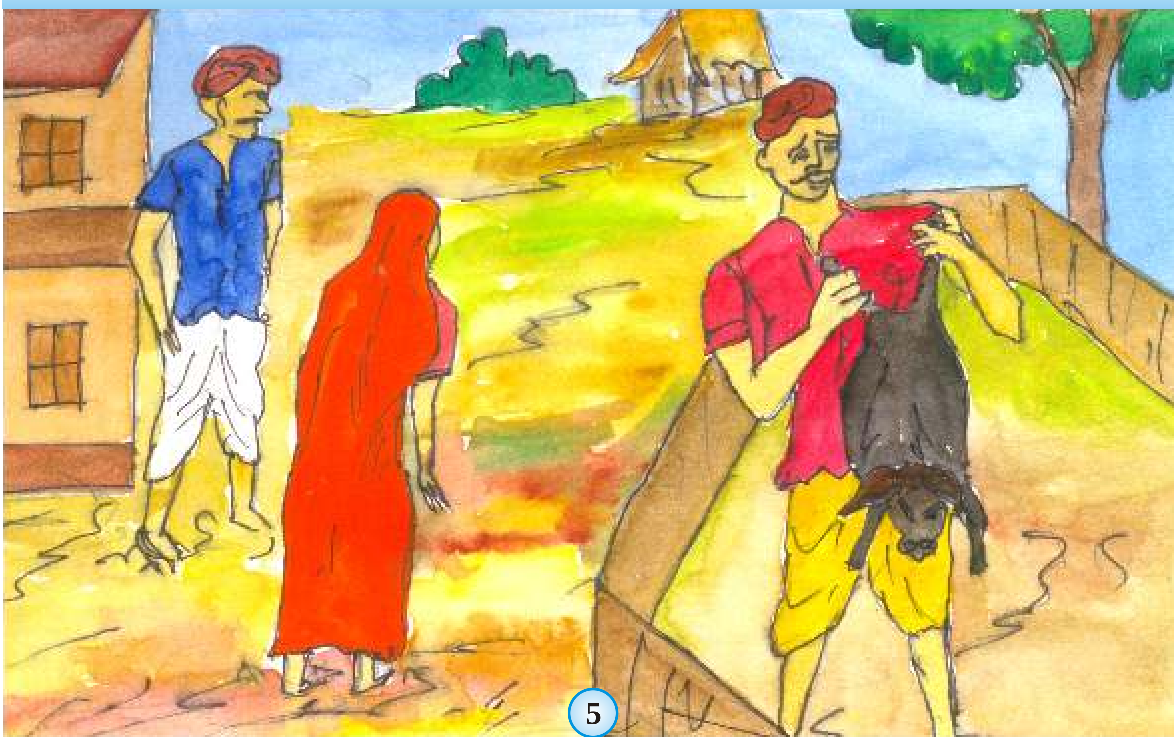
मानिकचन्द आएल। देखलक ई सभ, चटियाकेँ शोर पारलक।



मुदा चटिया छेछनकेँ देखितहि पड़ा गेल, पनमा देखैत रहलि। पनमा आ मानिक चन्द चटियाकेँ ललकारा देलक।



मुदा छेछन एहि बेर चटियाक दुनू पएर पकड़ि चीड़ि देलक।



पनमा चमत्कृत ।



आ फेर भेल दंगल। छेछन मुदा फेर जीति गेल।



तखन खुशी-खुशी मानिकचन्द पनमाक बियाह छेछनक संग करेलन्हि।



दिन बितैत गेल । छेछन महराज दोसराक बँसबिट्टीसँ बाँस काटए लगलाह। एक बेर यादवक लोक देवता कृष्णारामक बँसबिट्टीसँ ओ बहुत रास बाँस काटि लेलन्हि। आहि रे ब्बा......

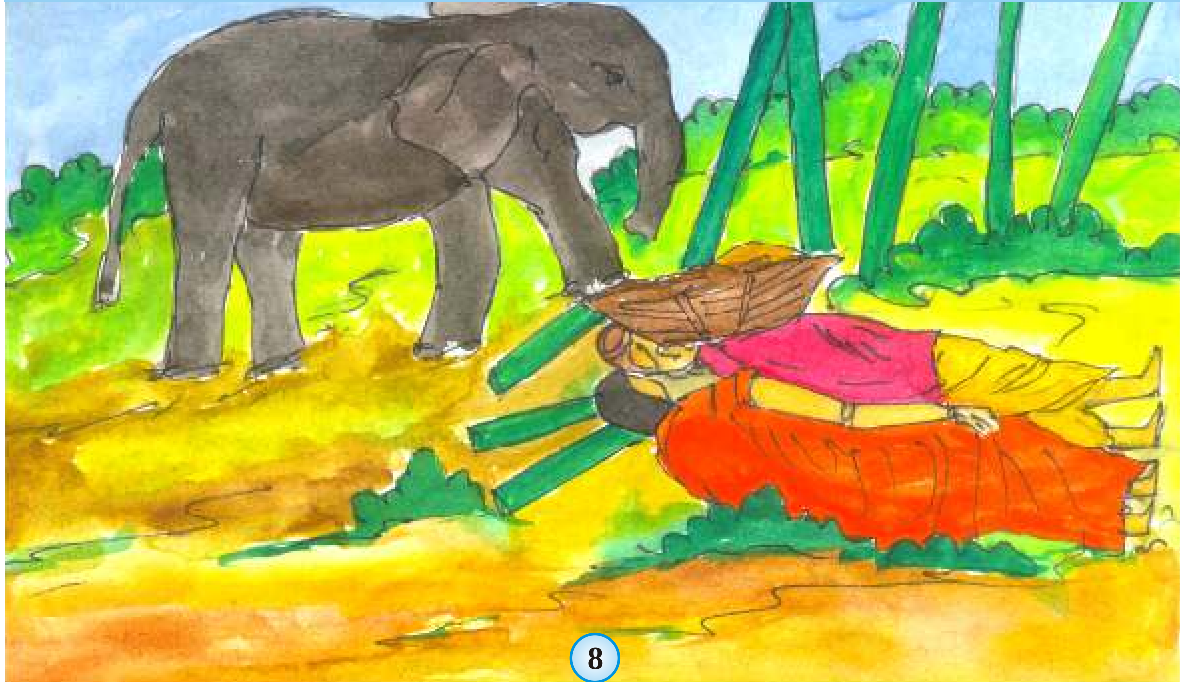


कृष्णाराम अपन सुबरन हाथीपर चढ़ि अएलाह। पुछलखिन्ह-कतए अछि छेछन........





सुबरन पाँच पसेरीक कत्ताकेँ अपन सूढ़सँ उठेलक आ छेछनक गरदनिपर राखि देलक आ भरिगर पएर कत्तापर राखि देलक......



मोती दाइ

गाम उजैनी।



गहिल माताक भगतिन मोती दाइ। मोतीदाइ जातिक रजक।



एक दिनक गप, बाड़ीमे गोबर पाथि रहल छलीह मोतीदाइ। गुअरटोलीक जनानी सभ हुनका देखि कऽ बाजल...



मोतीदाइ दुःखसँ भरि गेलीह। गहिल माताक गहमर गेलीह, पीड़ी खोदऽ लगलीह ।



गहिल माता प्रगट भेलीह।



इन्द्रक दरबार।



गहिल माता घुरलीह।



मरबाक सूरसार केलन्हि मोतीदाइ।



धड़फड़ाएल गहिल माता इन्द्र लग गेलीह।



सएह भेल। छठिहारी दिन बच्चा मरि गेल।



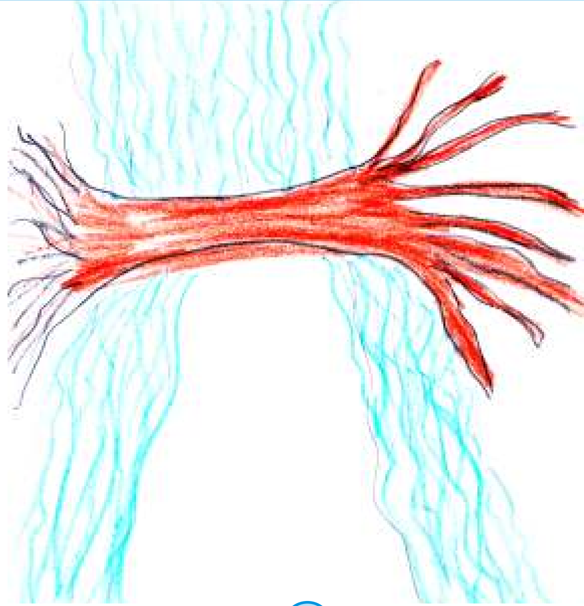
बाँझ होएबाक दु:ख मुदा खतम भेलन्हि मोती दाइक। आ ओ गहिल माताक भगता खेलाए लगलीह।

अमर बाबा

अमर बाबा



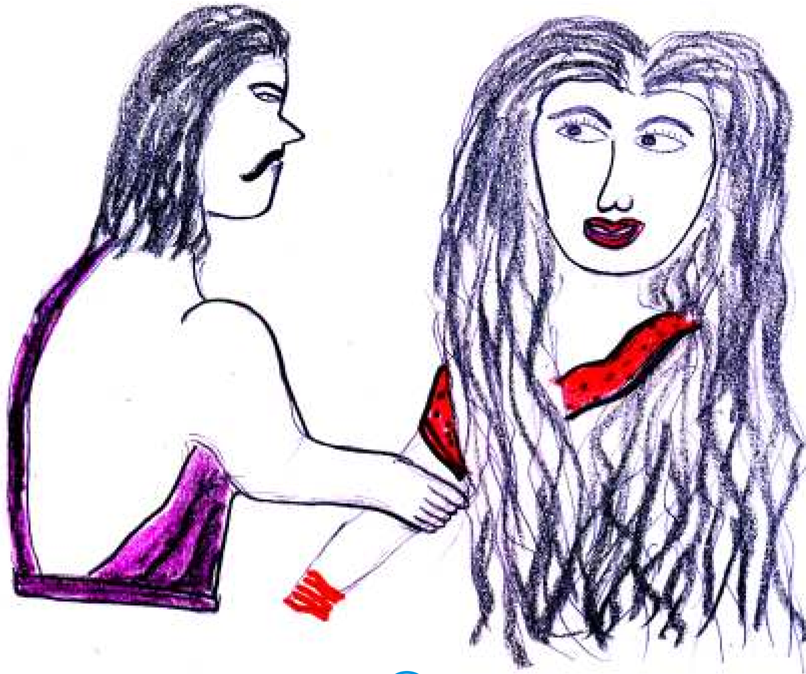
कमला धारक जन्म भेलन्हि। किसान आ मलाह सभक जीवन आनन्दित भऽ गेल।



कमला पैघ भेलीह। मुदा बैदला बदमाशक मोनमे खोट आबि गेलै।



ओ चमार जातिक सरदार छल। ओ बरजोड़ीसँ कमलासँ बियाह करऽ चाहलक।



मलाह लोकनिकैं एहि गपक पता चललन्हि तँ ओ सभ भोला बाबाक तपस्या करए लगलाह।



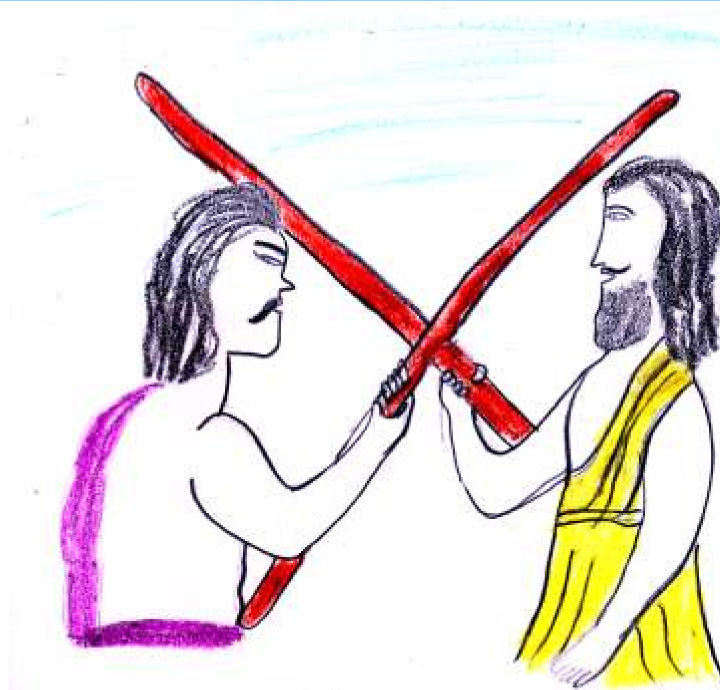
भोलाबाबा उपाय केलन्हि।



अमर सिंह पैघ भेलाह । समटा गप देखलन्हि, गुनलन्हि।



युद्ध भेल आ बैदला मारल गेल ।



मलाह लोकनि बैदलाक खानदान नष्ट करए चाहै छलाह। अमरसिंह बैदलाक गर्भवती कनियाकेँ मारि देलन्हि मुदा ओकर बच्चा तखने जनमल छल मुदा रहए ओ बड्ड बलवान। कमला किछु भेद बतेलन्हि आ तखन अमरसिंह बैदलाक बेटाकेँ मारलन्हि।



मलाह लोकनि अमर सिंहक गहमर बना कऽ आइयो पूजा करै छथि। कमला धारक प्रति श्रद्धावनत भऽ कऽ।



मीरां साहेब

डिलरीनगर। एकटा सैयद छलाह ओतए।



सैयदकेँ एकटा कनियाँ छलखिन्ह आ कएकटा बेटा सेहो। लड़ाका सभ।



नूनजागढ़क युद्ध । मुदा एहिबेर सैयद आ हुनकर सभटा बेटा मारल गेलाह।



मुदा हुनकर विधवा गर्भसँ छलीह। किछु दिनमे बच्चा भेलन्हि। नाम राखल गेल मीरा।



हुनकर बियाह करबाओल गेल कमे बएसमे, जे मोन युद्धसँ हँटतैक।



ओहो लड़ाका । मुदा माएकैं ई पसिन्न नहि।



बाप-भाएक बदला लऽ घुरि अएलाह डिलरीनगर।



मुदा ..... माए आ कनियाँ बड्ड बुझेलखिन्ह मुदा मीरा असगरे बिदा भेलाह.....नूनजागढ़



हुनकर आत्माक प्रभावसँ डिलरीनगरमे हुनकर मृत्युक बादो बहुत दिन धरि शान्ति रहल।



राजा सलहेस

राजा सलहेस दुसाध जातिक छलाह, नेपालक मिथिलांचलक मोरंगक।



दवना। दवना मालिन छलीह मोरंगक राजाक। मुदा सलहेस लेल जान-प्राण दैत छलीह।



मोरंगक जमीन्दार नौरंगी बहादुर थापाक सिपाही रहथि सलहेस।



अपन जमीन्दार एहिठाम अबैत-जाइत सलहेस दवना मालिनक फुलबारीमे सुस्ता लैत छलाह, मुदा दवना दिस तकितो नहि छलाह। कारण ओ हृदएसँ राजा छलाह। दान करैत छलाह, बहादुर छलाह। मुदा जमीन्दारकेँ ई पसिन्न नहि।



नौरंगी बहादुर थापा एक दिन सलहेसकेँ बजेलन्हि आ कहलखिन्ह-



सलहेस नोकरी छोड़ि देलन्हि।



दवना मोरंग राजाक दरबारसँ सात सए पहरेदारक सरदार चूहड़मलकेँ निकलबा देलक आ ओहिपर सलहेसक बहाली करबा देलक।



मूदा चूहड़मल चालि चललक, रानिक नौलखा हार चोरा कऽ सलहेसक घरमे नुका देलक।



सलहेसकेँ जहल भऽ गेलन्हि।



सएह भेल। चूहड़मल पकड़ि लेल गेल। सलहेस छुटि गेलाह, पद भेटि गेलन्हि आ दवनासँ बियाह सेहो भऽ गेलन्हि।



महुआ घटवारिन

महुआ । कोशीक घाटक घटवारिन। सुन्दरी ।



मुदा बाप गजेरी रहै महुआक।



माए रहै सतमाए। बड्ड काज करबै ओकरासँ। सोलह सालक महुआक बियाहक कोनो चिन्ता नहि।



साओन-भादबक एकटा राति, व्यापारी सभ उतरल घाटपर। महुआ ओकरा तेल लगाबए लेल जाएत? कानय लागलि महुआ । मुदा सतमाए जबरदस्ती केलकै।



रस्तामे सखी-बहिनपा फूलमतीक घरपर चलि गेल ओ।



भोरमे बड्ड फज्झति केलकै सतमाए। मारबो केलकै।



भोरमे घाटसँ ओहने समाद एलै। महुआक बाप ओकर माएसँ गप करए चाहलकै मुदा.....



मुदा महुआ सतमाएकेँ कहलक जे आइसँ तोहर कहल करबौ।



घाटपर गेलि महुआ । सतमाए ओकरा बेचि देने रहै। महुआक पतबारि सिपाही लऽ लेलक । व्यापारी महुआपर झपट्टा मारलक।



कूदि गेल धारमे महुआ, उल्टा धारमे बिदा भेलि मोरंग दिस, अपन प्रेमी लग।



सिपाही प्रेम करऽ लागल रहए महुआसँ । ओहो फाँगि गेल । आ एकटा मोइनमे दुनूक लीला समाप्त।.....एकटा छलीह महुआ......